की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पिछले तीन वर्षों के दौरान दिल्ली में कुछ नए कालेज खोले गए हैं ;

(ख) यदि हां, तो उनका ब्यौरा क्या है ;

(ग) यदि उपर्युक्त भाग (क) का उत्तर "ना" हो, तो उसके क्या कारण हैं ; और

(घ) इस संबंध में सरकार की भावी योजनाएं क्या हैं ?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय में शिक्षा तथा संस्कृति विभागों में राज्य मंत्री (श्री एल० पी० साही) :

(क) और (ख) दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा दी गई सूचना के अनुसार पिछले तीन वर्षों के दौरान दिल्ली में निम्नलिखित तीन सह-शिक्षा कालेज खोले गए हैं :—

(1) कला और वाणिज्य, दिल्ली कालेज (जी० डी० सालवान कालेज के स्थान पर)

(2) शारीरिक शिक्षा तथा खेल कालेज

(3) प्रबंध शिक्षा कालेज

(ग) प्रश्न नहीं उठता ।

(घ) दिल्ली विश्वविद्यालय ने सैद्धांतिक रूप से दो नए कालेजों अर्थात् दिल्ली प्रशासन द्वारा शाहदरा में प्रयुक्त विज्ञान महिला कालेज तथा वायु सेना कल्याण सोसाइटी द्वारा वैमानिक शिक्षा कालेज की स्थापना करने का अनुमोदन दे दिया है।

डी० टी० सी० के मार्गों का गैर-सरकारीकरण

181. **श्री राम जेठमलानी :** क्या जल-भूतल परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि गत मार्च, 1988 में दिल्ली परिवहन निगम के कर्मचारियों की हड़ताल के दौरान प्राइवेट बसें चलाए जाने की व्यवस्था की गई थी ;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है ;

(ग) क्या यह भी सच है कि प्राइवेट बसें दिल्ली में उस समय की गई व्यवस्था के अनुसार अभी भी चल रही हैं ;

(घ) यदि हां, तो उनका ब्यौरा क्या है ;

(ङ) क्या दिल्ली परिवहन निगम ने दिल्ली में डी०टी०सी० मार्गों का प्रयोग प्राइवेट बसों द्वारा किये जाने की कोई योजना सरकार को भेजी है ; और

(च) यदि हां, तो योजना को अब तक स्वीकृति या अस्वीकृति न दिये जाने के क्या कारण हैं ?

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री राजेश पायलट) : (क) जी, हां।

(ख) प्राइवट बसें जो पहले दिल्ली परिवहन निगम के अधीन किलोमीटर स्कीम के तहत चलती थीं और जो दिल्ली में कंट्रैक्ट कैरेज परमिट पर चलती थीं तथा जो बसें पड़ोसी राज्यों से थीं, उन्हें राज्य परिवहन प्राधिकरण द्वारा दिए गए अस्थायी स्टेज कैरेज परमिट के तहत प्रचालन की अनुमति दी गई थी।

(ग) और (घ) सिर्फ वही प्राइवेट बसें अस्थायी स्टेज कैरेज परमिट के तहत चल रही हैं जिन्हें पहले किलोमीटर स्कीम के तहत लगाया गया था । बाद वाली प्रणाली में प्रचालकों द्वारा आय अपने पास रखी जाती है।

(ङ) और (च) इस बारे में दिए गए विभिन्न सुझावों की जांच की जा रही है।